65 ND

GOVERNMENT OF KARNATAKA

Karnataka Secondary Education Ex

80715-10-L-20200515552-61

SSLC MAIN EXAMINATION : MARCH/APRIL -2020

MAIN ANSWER BOOKLET

Main Answer Booklet Serial Number / ಮುಖ್ಯ ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ

3694860

REGISTER NUMBER / ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆ

MEDIUM / ಮಾಧ್ಯಮ: ಕನ್ನಡ (Kannada)

SUBJECT/ ವಿಷಯ: हिंदी (Hindi)

SUBJECT CODE/ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ: 61

SL.No of Additional Answer Sheets used		No. of Pages used: Main Answer Booklet	No. of Pages used: Additional Answer Sheets	Total no. of pages used
1				
2		24	–	12
3				
4		Certified that the entries made above by the candidate are found to be correct /		
5				
6		Signature of the		

FOR OFFICE USE ONLY

Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks	Q.NO.	Marks
1	1	11	1	21	2	31	3	41		51		61	
2	1	12	1	22	2	32	3	42		52		62	
3	1	13	1	23	2	33	3	43		53		63	
4	1	14	1	24	2	34	4	44		54		64	
5	1	15	1	25	3	35	4	45		55			
6	1	16	1	26	3	36	4	46		56			
7	1	17	2	27	3	37	4	47		57			
8	1	18	2	28	3	38	5	48		58			
9	1	19	2	29	3	39		49		59			
10	1	20	2	30	3	40		50		60		Total Marks	80

Total Marks in Words: Eighty one

ಅಭ್ಯರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸಾಮಾನ್ಯ ಸೂಚನೆಗಳು — GENERAL INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. ಪ್ರಶ್ನೆ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಓದಿ ಅರ್ಥೈಸಿಕೊಳ್ಳಲು 15 ನಿಮಿಷಗಳ ಹೆಚ್ಚಿನ ಕಾಲಾವಕಾಶ ನೀಡಲಾಗಿದೆ.
   15 minutes of extra time has been provided for reading the question paper.

2. ಪರೀಕ್ಷೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾದ 30 ನಿಮಿಷಗಳವರೆಗೆ ಪರೀಕ್ಷಾ ಕೊಠಡಿಯಿಂದ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹೋಗಲು ಅನುಮತಿ ನೀಡಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಯಾವುದೇ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯನ್ನು 30 ನಿಮಿಷಗಳ ನಂತರ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದಲ್ಲಿ ಪುನಃ ಪರೀಕ್ಷಾ ಕೊಠಡಿಗೆ ಹಾಜರಾಗಲು ಅವಕಾಶವಿರುವುದಿಲ್ಲ.
   No candidate is permitted to leave the examination hall within 30 minutes from the commencement of the examination. Any candidate who leaves after 30 minutes will not be allowed again to the examination hall.

3. ಮುಖ್ಯ ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಮುಖಪುಟದಲ್ಲಿ ನಿಗದಿಪಡಿಸಿದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಪುರವಣಿ ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ಬರೆಯುವುದು. ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯು ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಮೇಲೆ ತಿದ್ದಿ ಬರೆದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಪರೀಕ್ಷಾ ಕೇಂದ್ರದ ಮುಖ್ಯ ಅಧೀಕ್ಷಕರು ದೃಢೀಕರಿಸುವುದು.
   Candidate should write register number correctly on the space provided on the facing sheet of the main answer booklet and additional anwer sheets. Overwriting should be attested by the Chief Superintendent of the examination centre.

4. ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯು ಮಾಧ್ಯಮಕ್ಕಾಗಿ ನಿಗದಿಪಡಿಸಿರುವ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ತಮ್ಮ ಬೋಧನಾ ಮಾಧ್ಯಮವನ್ನು ಬರೆಯುವುದು.
   Candidate should write the medium of instruction in the space provided

5. ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯು ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆಗಳನ್ನು, ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಎಡಭಾಗದಲ್ಲಿ ನಿಗದಿಪಡಿಸಿರುವ ಅಂಕಣದಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಬರೆಯುವುದು. ತಪ್ಪು ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ ಹಾಗೂ ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಮೇಲೆ ತಿದ್ದಿ ಬರೆದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನಕ್ಕೆ ಪರಿಗಣಿಸುವುದಿಲ್ಲ.
   Candidate should write the question numbers, only in the column, provided on left side of the answer booklet. Wrong question number and overwriting on question number will not be considered for evaluation.

6. ಉತ್ತರಪತ್ರಿಕೆಯ ಎರಡು ಭಾಗಗಳಲ್ಲೂ ನೀಲಿ/ಕಪ್ಪು ಶಾಯಿ ಅಥವಾ ಬಾಲ್ ಪೆನ್ನಿನಿಂದ ಉತ್ತರಿಸುವುದು. ಪೆನ್ನು / ಬೇರೆ ಶಾಯಿಯ ಪೆನ್ನನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸಲು ಕೊಠಡಿ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರ ಸಹಿಯೊಂದಿಗೆ ಅನುಮತಿ ಪಡೆಯುವುದು. ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಸೀಸದ ಕಡ್ಡಿಯಿಂದ (ಪೆನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ) ಉತ್ತರಗಳನ್ನು ಬರೆಯಬಾರದು. ಪೆನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಉತ್ತರ ಬರೆದಲ್ಲಿ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನಕ್ಕೆ ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ. (ನಕ್ಷೆಗಳು, ರೇಖಾಚಿತ್ರಗಳು ಮತ್ತು ಭೂಪಟಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ)
   Write answers on both sides of the sheet using BLUE/BLACK ink or ball point pen. Obtain signature from the Invigilator to change the PEN/INK. Candidate should not write the answer with pencil. If answers written in pencil, it will not be considered for evaluation. (Excluding graphs, figures & maps)

7. ಬಹುಆಯ್ಕೆ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಒಂದು ಬಾರಿ ಮಾತ್ರ ಉತ್ತರಿಸುವುದು. ಒಂದು ವೇಳೆ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯು ಒಂದು ಬಾರಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಅವಕಾಶಗಳಲ್ಲಿ ಬಹುಆಯ್ಕೆ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿದರೆ, ಮೊದಲನೆ ಉತ್ತರವನ್ನು ಮಾತ್ರ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನಕ್ಕೆ ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದು.
   Multiple choice questions should be answered only once. In case the students repeats the same MCQ's more than once with different options, only first attempt will be considered for evaluation.

8. ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಪುರವಣಿ ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಕೊಠಡಿ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರಿಂದ ಪಡೆದ ನಂತರ, ಮುಖ್ಯ ಉತ್ತರಪತ್ರಿಕೆಯ ಮುಖಪುಟದಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಪುರವಣಿ ಉತ್ತರಪತ್ರಿಕೆಯ ಕ್ರಮಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಬರೆಯುವುದು ಹಾಗೂ ಮುಖ್ಯ ಉತ್ತರಪತ್ರಿಕೆಯ ಪುಸ್ತಕದ ಕ್ರಮಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಪುರವಣಿ ಉತ್ತರಪುಸ್ತಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನಿಗದಿತ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬರೆಯುವುದು.
   Obtain additional sheets from the Invigilator. Enter the serial numbers of the additional sheets in the main answer booklet on facing sheet and also write the main answer booklet serial number in additional sheets.

9. ಉತ್ತರ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಬಲಭಾಗದಲ್ಲಿರುವ ಸ್ಥಳಾವಕಾಶವನ್ನು ಮೌಲ್ಯಮಾಪಕರು, ಮೌಲ್ಯಮಾಪನದ ಅಂಕಗಳನ್ನು ದಾಖಲಿಸಲು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದ್ದು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಈ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬರೆಯಬಾರದು, ಬರೆದ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ.
   Space provided in the right side of the answer booklet is for recording the marks awarded by the evaluators. Students should not write anything in this space, if anything written in this space, will not be considered for the evaluation.

10. ಪರೀಕ್ಷೆ ನಡೆಯುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಮೂತ್ರ / ಶೌಚಾಲಯಕ್ಕೆ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯು ಹೊರಗೆ ಹೋಗಲು ಬಯಸಿದಲ್ಲಿ ಕೊಠಡಿ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿ ಅನುಮತಿ ಪಡೆದು ಹೊರಹೋಗುವುದು. ಹೊರಗೆ ಹೋಗುವಾಗ ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆ, ಉತ್ತರಪತ್ರಿಕೆ, ಇತರೆ ಪರೀಕ್ಷಾ ಪರಿಕರಗಳನ್ನು ಸುರಕ್ಷತೆಯಿಂದ ಇಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲು ಕೊಠಡಿ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರ ವಶದಲ್ಲಿ ನೀಡುವುದು.
    During the examination, if the candidate wants to go out for urination, etc. same may be informed to the invigilator. While going out, the answer booklet, question paper etc., should be handed over to the Room Invigilator for safe custody.

Q No I

01) D) लिफाफे

02) B) मोरनी

03) A) खरीदना

04) C) लगाना

05) B) अल्पविराम

06) D) देश-विदेश

07) C) में

08) A) गुण

Q No II

09) मेजर : कुमार : : कर्नल : खुल्लर

10) रमानंद शास्त्री : पक्षी लक्ष्मण शास्त्री : : अब्दुल कलाम : जैनुलाबदीन

11) कश्मीरी सेब बेचनेवाला : बेईमान : : रेवड़ी बेचनेवाला : ईमान

11

-4

12) भोला - भाला : बालकृष्ण : : चुगलखोर : बलराम (बलभद्र)

Q No III

13) पता चला है कि गाजर में बहुत सारे गुण है। इसलिए गाजर को खाने की मेज पर स्थान मिलने लगा है।

14) आज मनुज का यान गगन में जा रहा है।

15) बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते हैं।

16) ~~कवि भारतमाता से सकल नगर और ग्राम जयहिंद नाद से गूंज उठने~~ (जग का रूप बदलने) के लिए प्रार्थना करते हैं।

Q No IV

17) अब्दुल कलाम जी प्राय: रसोई में नीचे बैठकर खाना खाया करते थे। उनके माता आशियम्मा उनके सामने केले का पत्ता बिछाती और उसके ऊपर चावल डालती। और सुगंधित एवं स्वादिष्ट सांभार डालती। साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी भी होती। ये सब आशियम्मा अब्दुल कलामजी को खाने को देती थीं।

18) आयोजक उनके शहर में ईमानदार का सम्मेलन कर रहे थे। उन्होंने माना था कि परसाई जी राष्ट्रीय स्तर के ईमानदार हैं। परसाई के आने से ईमानदरों तथा उदीयमान ईमानदारों को

1 1 1 1 1 0 2 2 (8)

सम्मेलन का
प्रेरणा मिलेगी। इसलिए उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण देते हुए आयोजकों ने परसाई जी निमंत्रण पत्र दिया।

१४ बिछेंद्री का जन्म एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम किशनपाल सिंह था और माता का नाम हंसादेई नेगी था। उनके पाँच संतानों में बिछेंद्री तीसरी संतान थी। बिछेंद्री के भाई को पहाड़ों पर चढ़ना अच्छा लगता था। अपने भाई को देखकर बिछेंद्री ने यह निश्चय किया कि वे भी वही करेंगे जो उनके भाई करते हैं। इसी जज्बे से उन्होंने पर्वतारोहन प्रशिक्षण लेना शुरु कर दिया।

२० कृष्ण यशोदा से बलराम के बारे में शिकायत करता है और कहता है कि माँ तुमने सीर्फ मुझे मारना सीखा है। भाई को तो कभी गुस्सा भी नहीं करती। तब यशोदा कहती है कि "सुनो कृष्ण बलराम चुगलखोर है। जन्म से ही दुष्ट है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तू मेरा पुत्र है।" इसतरह यशोदा कृष्ण को शांत करती है।

२१ जब दोस्त भैंस के पास जाकर मकान बनाने के बारे में पूछते हैं तो तब भैंस उन्हें अपने भैंसे का पंजर दिखाकर जैसे "इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी हैं उसी तरह लकड़ी के चार मोठे गोले को जमीन गाड़कर उसके ऊपर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बनाओ।" यह जानकारी भैंस के पंजर से दोस्तों को मिली।

- 6

22. आज की दुनिया विचित्र और आधुनिक है। मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। नर के करों में जल, विद्युत और भाप बँधे हुए हैं। मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढता और उतरता है। परिसर के प्रत्येक तत्व के बारें में जानकारी मानव को है। इस पर विजय पाकर मानव उस पर आसीन हुआ है। यही "प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन" इस पंक्ति का अर्थ है।

23. शनैःचर का अर्थ है "धीमी गति से चलनेवाला"। यह ग्रह गोने में बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है। शनि ग्रह सूर्य का एक चक्कर लगाने में लगभग तीस वर्ष लेता है। शनि ग्रह सूर्य का पुत्र है। शनैःचर का नाम लेते ही अंधविश्वासीयों के रूह काँपने लगते हैं। लोगों ने शनैःचर को सनिचर बना डाला है।

24. "सत्य बहुत ही सीधा साधा, बहुत ही भोला भाला। जो भी अपने आँखों से देखा बिना नमक मिर्च लगाए कह दिया यही तो सत्य है।" सृष्टि का प्रतिबिंब, ज्ञान की प्रतिलिपि और आत्मा की वाणी है। यह पाठ के अनुसार सत्य का स्वरूप है।

Q No V

25. बसंत नोट भुनाने के लिए बाजार गया था। जब भुनाकर लौट रहा था तो वह मोटर के नीचे आ गया। मोटर उसके ऊपर से निकल गई। उसके पैर कुचले गये। उसके सभी सामान और पैसे बिखर गये। वह बेहोश हो गया। बडी कठीनाई से उसे घर लाया गया। जब उसे होश आया तो वह अपने छोटे भाई

प्रताप को राजकिशोरजी के पैसे लौटाने को कहा। इसलिए प्रताप राजकिशोर जी के साढ़े चौदह आने लौटाने के लिए उनके घर आया था।

26) 'वीडियो कान्फरेन्स' के द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन पर्दे पर चर्चा कर सकते हैं। एक कमरे में बैठकर दुनिया के कई जगहों पर रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।

27) रोबोनिल सक्सेना परिवार में सभी काम करता था। सुबह नाश्ता बनाना, मेहमानों के स्वागत में द्वार खोलना, बच्चों को कहानियाँ सुनाना, बच्चों को होमवर्क करने में मदद करना, बड़े प्रोफेसर पर धीरज सक्सेना का काम संभालना तथा शाम को परिवार में पले कुत्ते शेरू को टहलाने का काम बड़ी मुस्तैदी से करता था। ये सभी काम रोबोनिल करता था।

28) मातृभूमि अमरों की जननी है। इसमें गांधी, बुद्ध और राम शोभित हुए हैं। यहाँ के खेत हरे भरे और सुंदर हैं। यहाँ के वन और उपवन फल-फूलों से युक्त हैं। मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। उसे वह मुक्त हस्त से बाँट रही है। मातृभूमि के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है। इस तरह मातृभूमि की प्राकृतिक सौंदर्य सुशोभित है।

29। कलेक्टर साहब ने कहा कि "इस गाँव को साफ सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई हैं। इन बच्चों ने इस गाँव को नया जीवन प्राप्त किया है। इन बच्चों की जितनी बढ़ाई की जाए उतनी ही थोड़ी है। इन्होंने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण प्राप्त किया है। इन बच्चों के वजह से आप का गाँव आदर्श गाँव बन गया है।" इस तरह बच्चों की तारीफ करके उन्हें सरकार से दिये गये पाँच हजार रुपये को प्रधान करते हैं।

30। समय बहुत ही अनमोल होता है। समय का महत्व हमारे जीवन में अधिक है। उद्योगी को जो समय मिलता है, वही उसका सुसमय होता है। हमें आलस को छोड़ना चाहिए। जो काम करना है उसे अभी करना चाहिए। हमारा जीवन पल-पल से बना हुआ है। हमारे जीवन में जो काम करना है उसमें चित्त लगा देना चाहिए।" जो व्यक्ति को समय का सच्चा साथी बना लेता है वह अपने कामों में सफल होता है।" इस तरह कवि समय का सदुपयोग करने के बारे में कहते हैं।

31। कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक साहित्यकारों ने दुनिया भर फैलायी है। वचनकार बसवण्ण समाज सुधारक क्रांतिकारी थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे वचनकारों ने अपने वचनों के द्वारा धर्म का बोध कराया है। पुरंदरदास, कनकदास जैसे संत कवियों ने अपने काव्यों के

द्वारा नीती के गीत गाये हैं। पंपा, रन्न, पोन्ना, हरिहर, राघवांक जैसे कवियों ने अपने काव्यों के द्वारा कर्नाटक की संस्कृति को प्रसिद्ध बनाया है। कुवेंपु, द.रा बेंद्रे, शिवराम कारंत, गीरीश कार्नाड, यू. आर. अनंतमूर्ती, वि.कृ गोकाक, मास्ती वेंकटेश अय्यंगार, चंद्रशेखर कंबार कवियों को ज्ञानपीठ प्रशस्ती से पुरस्कृत है। ये सब कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की देन है।

32. प्रस्तुत पंक्तियों को हमारी पठ्यपुस्तक हिंदी वल्लरी के "तुलसी के दोहे" नामक कविता से लिया गया है। प्रस्तुत कविता (दोहे) के कवि "तुलसीदास" हैं। तुलसीदास कहते हैं कि मुखिया को मुख (मुँह) के समान होना चाहिए। जैसे मुँह खाने-पिने का काम अकेला करता है। पर वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पोषण होता है। मुखिया को भी मुँह के समान विवेकवान होना चाहिए। मुखिया को अपनी तरह से काम करना चाहिए। और उसका फल सब में बाँटना चाहिए।

3

33. ಶನಿಗ್ರಹದ ಅತ್ಯಂತ ದೊಡ್ಡ ಉಪಗ್ರಹ ಟೈಟನ್ ಆಗಿದೆ. ಇದು ನಮ್ಮ ಚಂದ್ರನಿಗಿಂತ ದೊಡ್ಡದಾಗಿದೆ. ಇದರ ವ್ಯಾಸವು 5,150 ಕಿಲೋಮೀಟರ್ ಇದೆ.

3

- 10

Q No VI

35) लेखिका ने फूल रखने की हल्की डलिया में रूई बिछाकर उसे तार से खिटकी पर लटका दिया। दो वर्ष वही गिल्लू का घर था। वह उसमें बैटकर स्वयं झूलता था। लेखिका के पैर तक आकर सर से परदे पर चढ जाता और उसी तेजी से नीचे उतरता। भूख लगने पर चिक चिक करके सूचना देता था। कई घंटे लिफाफे में बंध रहता था। लेखिका कमरे से बाहर निकलने पर वह भी खिडकी के खुली जाली से बाहर निकलता और दिन-भर गिलहरियों झुंड के नेता बना हर डाल पर उचलता कूदता और ठीक चार बजे अंदर आकर अपने झूले झूलता। लेखिका को चौंकाने के लिए फूलदानों के फूलों में, परदे की चुन्नट में और सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था। लेखिका के थाली के पास बैठकर थाली में से एक एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था। लेखिका के अस्वस्थता में उनके सिरहाने बैठकर अपने नन्हें पंजो से सिर और बालों को हौले-हौले से सहलाता था। यह गिल्लू का क्रिया-कलाप है।

5

36) असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो।
क्या कमी रह गयी देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कविता :- "कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।"
कवि :- "सोहनलाल द्विवेदी जी"

5

10

Q No
XII

उ०। अ। नागा लोग भूमि की कमी पड़ने पर स्वयं ही वनों को काटकर खेती योग्य भूमि बना लेते हैं।

आ। नागा लोग खेतों में आलू, धान, फल एवं साग-सब्जी उगाते हैं।

इ। नागा लोग चावल से एक प्रकार की शराब बनाते हैं और उसे आनंद से पीते हैं। इसे अपौंग कहते हैं।

ई। नागाओं की कृषि पद्धति में नवीन विधियों का प्रचार भी होने लगा है। नागाओं का प्रधान भोजन चावल एवं मांस है।

Q No
XIII

उ०। ग। जनसंख्या की समस्या

प्रस्तावना :- "किसी एक जगह पर रहनेवाले जन की संख्या को जनसंख्या कहा जाता है।" भारत की जनसंख्या लगभग 130 करोड़ की है। भारत जनसंख्या में चीन के अपितु प्रपंच के जनसंख्या में दूसरा बड़ा देश है। भारत क्षेत्रफल में प्रपंच के 2.4% भाग है। जनसंख्या में प्रपंच के 17.8% जनसंख्या भारत में है। प्रति सेकेंड को तीन बच्चों का जन्म होता है। जनन दर बहुत बढ़ रहा है।

(P.T.O)

जनसंख्या वृद्धि के कारण

★ बालविवाह
★ अंधविश्वास
★ अधिक जनन दर
★ अस्पतालों में सेवाओं को देना
★ अशिक्षा
★ कुटुंब कल्याण योजनाएँ समर्पक रूप से जारी नहीं होना।

जनसंख्या वृद्धि के परिणाम

★ बेरोजगारी
★ अपौष्टिकता
★ अशिक्षा
★ आवास की अपूर्ति
★ मूल सौकर्यों की अभाव
★ मालिन्य

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

★ अंधविश्वासों को हठाना चाहिए।
★ सभी को शिक्षित बनाना चाहिए।
★ कुटुंब कल्याण योजनाओं को समर्पक रूप से जारी करना चाहिए।
★ सरकार को सचेत रहना चाहिए।
★ लोगों में जनसंख्या की समस्या के बारे जागृति लाना चाहिए।

(P.T.O)

उपसंहार :- हमारे देश को प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में जनसंख्या एक बहुत बडी समस्या है। इसे नियंत्रण करने में हमें सचेत रहना चाहिए। हमें हमारे कर्तव्यों को समझ लेना चाहिए। "सुख परिवार के लिए दो बच्चों को ही होने" का मंत्र अपनाना चाहिए।

QNo III 16) कवि भारत माता को जग का रूप बदलने के लिए प्रार्थना करते हैं।

(P.T.O)

प्रेषक, दिनांक :- 03-07-2020

रूपा,

१० 'अ' कक्षा,

सरकारी प्रौढशाला,

धारवाड।

सेवा में,

आदरणीय प्रधानाध्यापक महोदय,

सरकारी प्रौढशाला,

धारवाड।

विषय :- चार दिनों की छुट्टी के लिए बिनती।

पूज्य गुरूजी,

सादर प्रणाम।

आपसे उपर्युक्त विषय के अनुसार आपसे नम्र निवेदन है कि दिनांक :- 06-07-2020 को मेरी बड़ी बहन की शादी बेंगलूरु में हैं। मैं भी उसमें भाग लेना चाहती हूँ। अतः आप मुझे दिनांक :- 04-07-2020 से दिनांक 07-07-2020 तक चार दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

सेवा में, आपकी आज्ञाकारी छात्रा

प्रधानाध्यापक महोदय, रूपा,

सरकारी प्रौढशाला, १० वीं 'अ' कक्षा,

धारवाड। (उ.सं. :- 58)